Orissa, Bihar and Madhya Pradesh during the last three years is as under:—

	Number of deaths		
	1986	1987	1988
Bihar .	53	74	34
Madhya Pradesh	N.A.	72	134
Orissa .	14	153	489

During 1989, the number of deaths reported from these States are as under:—

Bihar .	185 (upto 10-4-1989)
Madhya Pradesh	158 (upto 3-4-1989)
Orissa .	344 (upto 2-4-1989)

The control measures for Meningococcal Meningitis consists of the following:

—early reporting of cases by para-medical health personnel so that all suspected cases are treated in hospitals;

—constituting medical teams to visit the affeted areas to detect and diagnose cases;

—treatment of patients by providing suitable drugs viz. Crystalline Benzyl Penicillin and Chloramphenicol;

—vaccination of medical and para-medical personnel who attend patients in hospitals and casualty departments;

—providing protection to persons who may come into contact with patients by giving them sulphadiazine.

The National Institute of Communicable Diseases had deputed experts to visit the affected districts of Orissa, Bihar and Madhya Pradesh and also advised the State Governments regarding surveillance and treatment.

The units of the Central Council of Research in Homoeopathy in Orissa, Bihar and Madhya Pradesh have also been activated to undertake study-cum-treatment of Meningitis cases with homoeopathic medicines.

The Government of India is in constant touch with the State Governments and is providing technical advice and also arranging the supply of vaccines for use among close contacts like medical and para-medical personnel engaged in patients care and members of families of patients.

Winding up of NMEP

*39. SHRI JAGADISH JANI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government have recently taken a decision to wind up the National Malaria Eradication Programme;

(b) if so, the reasons therefore;

(c) whether any alternative programme is proposed to be implemented by Government to eradicate Malaria; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) No, Sir.

(b) to (d) Does not arise.

खसरे और टिटनेस इत्यादि के कारण राजस्थान में बच्चों की मृत्यु

*40. **श्री संतोष बागड़ोदिया :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में हर साल पांच वर्ष से कम आयु के बहुत से बच्चों की मृत्यु खसरा, टिटनेस, गलाघोंटू, काली खांसी, तपेदिक और पीलिया के कारण हो जाती है ;

(ख) इन बीमारियों से बचाने के लिए पिछले तीन वर्षों के दौरान कितने प्रतिशत बच्चों को टीके लगाए गए ;

(ग) क्या यह सच है कि इन बीमारियों की रोकथाम के लिए शहरी क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा टीका लगाने के कार्यक्रम के अन्तर्गत अधिक टीके लगाए गए हैं ;

(घ) इस बात को सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या व्यवस्था की गई है कि इन खतरनाक बीमारियों से बचाव के लिए सभी बच्चों को टीका लगाया जाए ;

(ङ) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष इन बीमारियों से कितने बच्चों की मृत्यु हुई ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) जी, हां।

(ख) से (ङ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

पिछले तीन वर्षों के दौरान राजस्थान में रोग प्रतिरक्षित किए गए बच्चों का टीके-वार प्रतिशत।

टीके	1986-87	1987-88	1988-89 (फरवरी, 1989 तक)
1. डी० पी० टी०	54.07	76.41	65.09
2. पोलियो	48.01	66.55	67.22
3. बी० सी० जी०	52.04	75.07	66.42
4. खसरा	33.49	67.82	45.21

व्यापक रोग प्रतिरक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण एवं शहरों, दोनों क्षेत्रों में गहन कार्यकलाप चलाया गया है।

राजस्थान सहित देश के सभी जिलों को व्यापक रोग प्रतिरक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत चरणबार ढंग से लाया गया है तथा छह बीमारियों (डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनेस, तपेदिक, खसरा एवं पोलियो) से कम से कम 85 प्रतिशत बच्चों तथा 100 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं को टेटनेस में रोग प्रतिरक्षित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त उपस्करों, वाहनों, स्टाफ एवं वैक्सीनों की सप्लाई की गई है। स्वास्थ्य शिक्षा और संचार कार्यकलापों को तेज किया गया है तथा चिकित्सा एवं पराचिकित्सा कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। स्वतन्त्र एजेन्सियों द्वारा इस कार्यक्रम की नियमित मानीटरिंग और मूल्यांकन किया गया है।

राजस्थान में पिछले तीन वर्षों के दौरान विभिन्न बीमारियों के कारण मरने वाले बच्चों की संख्या नीचे विवरण में दी गई है जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर दी गई सूचना के आधार पर है :—

	मौतें		
	1986	1987	1988
1. खसरा	14	51	21
2. टेटनस	377	248	213
3. काली खांसी	18	4	5
4. गलघोंट	22	17	27
5. तपेदिक	728	606	539
6. वाइरल हैपेटाइटिस	103	144	76

Manufacturing/marketing of Irriational combination of drugs

156. SHRI M. KADHARSHA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that certain State Drug Authorities had given licences for manufacturing and marketing of irrational combination of drugs;

(b) whether Government propose to review these combinations from rational and safety point of view; and

(c) if so, by when?